अध्याय : चउदह

एक पाठ के रचना पाठ्य पुस्तक निर्माण खातिर आयोजित कार्यशाला में भइल बा,

विषय-प्रवेश

कबड्डी भारत के गाँवन में खेलल जायेवाला एगो ग्रामीण खेल ह, जवना में कवनो सर-सामान के जरूरत ना होला। ई मनोरंजन का साथे स्वास्थ्य, ताकत, हिकमत, फुर्ती आ तुरते सोच लेवे जइसन मानासिक प्रक्रियो के लेहाज से उपयोगी बा। आज त एह देहाती खेल के अंतरराष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त बा। स्वाभाविक बा कि अब ई निर्धारित लंबाई-चौड़ाई के मैदान, खेलाड़ी के संख्या आ अंतरराष्ट्रीय नियमन के अनुसार देश-विदेश में खेलल जाला। एह में गलत-सही देखेवाला निर्णायकों लोग रहेला। यद्यपि क्रिकेट के आगे एकर लोकप्रियता दब गइल बा, बाकी साधारण मनई कालगे एकर महत्त्व निर्विवाद बा।

ABDIEL SOLUTIONS ABSOL PATNA

कहानी

कबड्डी

विद्यालय में शिक्षाप्रद फिल्म देखावे के योजना में ओह दिन 'लगान' फिल्म चलत रहे। जब अंग्रेजन साथे गँवई लोगन के क्रिकेट खेले के दृश्य आइल त एगो लइका अपना शिक्षक राकेश बाबू से पूछ बइठल–"सर ! गाँव के अनाड़ी लोग एतना बढ़िया कैच कइसे लेत बा ?" दोसर लइका जवाब देलक–"एह से कि गुल्ली-डंडा में ऊ लोग गुल्ली लोकेला ।"

तीसरका के कहनाम रहे–"तब त कबड्डी आ किक्रेटों में कुछ समानता होई !

अब राकेश बाबू गंभीर हो गइलन । ऊ फिल्म रोकत कहलन–"बढ़िया प्रसंग छिड़ गइल । सबके राय होखे त काहे ना पहिले अपना कबड्डी का बारे में जान लेहल जाव ।"

सब लड़िका "हं-हं" कहे लगलनसऽ ।

राकेश बाबू तब खड़ा होके समुझावे लगलन–

"आज कबड्डी एगो अंतरराष्ट्रीय खेल का रूप में भले ही जानल जाला, बाकिर साँच पूछी त कबड्डी एगो लोकप्रिय भारतीय खेल ह । एह खेल के सबसे लमहर विशेषता ई ह कि एकरा में ना कवनो साज-सामान के जरूरत बा ना, लमहर लंबाई-चौड़ाई लेले मैदान के छोटो जगह में आत्मविश्वास का बल पर विरोधी दल के ललकारल, अपना दल के उत्साह बढ़ावल आ निडरता के प्रदर्शन के भाव एह से सीख लेल जाला । अइसन खेल भोजपुरी के गाँव-गँवई में पहिलहूँ खेलल जात रहे बाकिर 1920 में सतारा (महाराष्ट्र) में परांजपे जी एह खेल खातिर नियम निर्धारित करे के काम कइलन । एकरा बाद 1938 में पहिले पहिल एकर अखिल भारती प्रतियोगिता आयोजित भइल । 1944 में भारतीय ओलंपिक संघ एकरा नियम के मंजूरी आ मान्यता देलस । भारत के राजधानी दिल्ली में 1982 ई. में आयोजित नउवाँ एशियाई खेल में एकरो एगो खेल के रूप में सम्मिलित कइल गइल ।

रमेश : सर ! त का कबड्डी खेले ला मैदान के कवनो लंबाई-चौड़ाई निर्धारित नइखे ?

शिक्षक : जब नियम से एह खेल के बाँध देहल गइल त निर्धारण जरूरी हो गइल। अइसे त कबड्डी के मैदान चौरस आ आयताकार होला बाकिर वयस्क, महिला आ किशोर खातिर एकर अलग-अलग मानक लंबाई-चौड़ाई निर्धारित बा । वयस्क लोग ला जहवाँ 13 मीटर × 10 मीटर के मैदान होला उहँवे महिला आ किशोर खातिर 11 मीटर × 8 मीटर के मैदान होला । मैदान का बीचोबीच एगो मध्य रेखा होला जेकरा दूनों ओर एक-एक प्रतिद्वन्द्वी दल खड़ा होले । एकरा अलावे चारू ओर से लाइन खींच के एगो घेरा बना देहल जाला, जेकरा बाहर गइला पर खेलाड़ी आउट मानल जालन ।

मोहन : हरेक दल में केतना खेलाड़ी होला सर ?

शिक्षक : हरेक दल में 12 खेलाड़ी होला बाकिर एक समय में साते खेलाड़ी मैदान में उतरेला, शेष पाँच खेलाड़ी सुरक्षित रहेला जेकर जरूरत पड़ला पर दल उपयोग करेला।

खेल के शुरुआत टॉस से होला । टॉस जीतेवाला अपन मन पसंद साइड चुनेला आ पहिले उहे अपना ओर से कबड्डी भेजेला । कबड्डी जानेवाला खेलाड़ी एके साँस में 'कबड्डी-कबड्डी' बोलत विपक्षी दल के खेलाड़ियन के छू के भागे के प्रयास करेला । ऊ जवना-जवना खेलाड़ी के छू के मध्य रेखा पार क के अपना दल में आ जाला ऊ सब खेलाड़ी मुअल मानल जालन । आ जो कबड्डी जायवाला खेलाड़ी मध्य रेखा के ओही पार पकड़ा जाले आ ओकर साँस टूट जाले माने एके साँस में 'कबड्डी-कबड्डी' कहल रूक जाले त कबड्डी जायेवाला खेलाड़ी मुअल मान लेल जालन । ईहे क्रम बारी-बारी से होत रहेला। दूनो दल का घर में एगो रेखा होला । कबड्डी गइला पर एक बेर ए ओकरा पार कइल जरूरी होला ।

सलीम : कबड्डी खेले के समय केतना निर्धारित बा ?

शिक्षक : खेल के अवधि वयस्क में चालीस मिनट आ महिला आ किशोर में तीस मिनट होला । बीच में पाँच मिनट के विश्राम दिहल जाला ।

लक्ष्मी : पोशाक ?

शिक्षक : एक पोशाक हाफ पैंट आ गंजी होला । गंजी पर खेलाड़ी के नंबर छपल रहेला ।

फातिमा : जीत हार के फैसला कइसे होला ?

शिक्षक : विपक्षी दल के एक खेलाड़ी के आउट कइला पर आक्रामक दल के एक अंक मिलेला । अगर आउट होत-होत कवनो दल के कुल खेलाड़ी आउट हो जाला त ओह दल के विपक्षी विजयी दल के 'लोन्ना' मिलल कहल जाला । एकर अंक अलगा मिलेला। पूरा खेल में जवन दल अधिका अंक पावेला, ऊ विजयी घोषित होला ।

एगो लइका बीचे में टुभुकल–"खेल में गाल होखे त ?" सब लड़िका हँसे लगलन स । शिक्षको के हँसी आ गइल । ऊ कहत गइलन–"चोरवा के मन बसे ककड़ी के खेत में ।" फेर गंभीर होत कहलन–

"बेईमानी कइसे होई ? खेल के नियंत्रण खातिर एगो रेफरी, दूगो लाइंस मेन, दू गो अंपायर आ एगो स्कोरर होलन । रेफरी कवनो खेलाड़ी के नियम के उल्लंघन कइला आ अनुशासन भंग कइला पर चेतावनी दे सकेला आ विपक्षी दल के ओकरा बदला में अंक दे सकेला । खेल से ओकरा के बाहरो कइल जा सकेला । बाकियो निर्णायक आपन-आपन काम करत रहेला । त अब तू लोग बतावऽ कबड्डी में आउर कवन-कवन बोल बोलल जाला ?"

रमेश : 'आम छू-आम छू, कौड़ी बादाम छू ।

मोहन : चल कबड्डी आइला, तबला बजाइला
तबला के पइसा, लाल गलइचा ।

सलीम : आइले कबड्डी डेरइह जनि होऽ
हाथ-गोर टूटी त रोइह जनि होऽ ।

वर्ग में ठहाका मच जाता । शिक्षक सबके शांत कके 'लगान' फिल्म के बाकी हिस्सा देखावे लागताड़न ।

अभ्यास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. कबड्डी में प्रत्येक दल में केतना खेलाड़ी होला ?

(क) 7 (ख) 8

(ग) 12 (घ) 6

2. किशोर खेलाड़ियनल खातिर कबड्डी के मैदान के लंबाई-चौड़ाई का होला ?

(क) 13 × 10 मीटर (ख) 11 × 8 मीटर

(ग) 8 × 6 मीटर (घ) 15 × 11 मीटर

3. कबड्डी खेल के नियम पहिले पहल कब बनल ?

(क) 1911 (ख) 1920

(ग) 1982 (घ) 1952

ABDIEL SOLUTIONS ABSOL PATNA

4. पहिले पहल कवना जगहा पर कबड्डी के एशियाई खेल में शामिल कइल गइल ?

(क) चेन्नई (ख) बंबई

(ग) पटियाला (घ) दिल्ली

5. रिक्त स्थान में सही शब्द भरीं–

(क) पहिले पहल कबड्डी के नियम ..... बनवलन ।

(ख) कबड्डी में कवना खेलाड़ी का मुअला पर विपक्षी दल के ..... अंक मिलेला।

(ग) कबड्डी में एक समय मैदान पर एक दल के ..... गो खेलाड़ी खेलेला ।

(घ) कबड्डी में पहिले कवन दल कबड्डी भेजी एकर फैसला ..... से होला ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

6. कहानी में जब खेल में बेइमानी के बात एगो लइका उठइलक त का भइल ?

7. कबड्डी में लोन्ना का होला ?

8. किशोर लोगन ला कबड्डी खेल के केतना समय निर्धारित बा ?

9. कबड्डी जाय में खेलाड़ी के मुँह से निकलल तीन गो बोल लिखीं ।

दीघ उत्तरीय प्रश्न

1. 'कबड्डी' कहानी के सारांश लिखीं ।

2. पठित कहानी के शिल्प पर विचार करीं ।

परियोजना कार्य

1. गाँव-गंवई में खेलल जायवाला कबड्डी जइसन कवनो दोसर खेल के वर्णन दू छात्रन का बीच वार्तालाप का रूप में लिखीं ।

शब्द-भंडार

अनाड़ी – जेकरा कवनों बात के जानकारी ना होखे

गुल्ली-डंडा – एगो भारत के गाँवन में खेलल जायवाला खेल

चौरस – चौकोर, सभतर बराबर, समतल

आयताकार – चार सरल रेखा से घिरल अइसन क्षेत्र जेकर दूनो लंबाई आ दूनो चौड़ाई बराबर होला आ सभ कोण के होला ।

एशियाई खेल – एशियाई देशन के बीच प्रति चार वर्ष पर होखे वाला खेल प्रतियोगिता ।

आक्रामक दल – जवन दल विपक्षी दल पर आक्रमण करत कबड्डी जनला ।